संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-10 शंकर नगर बी.डी.ए. कॉलोनी,
शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016
फोनः 0755 - 255 0976 0755 - 267 1017
ई-मेलःsrote@eklavya.in

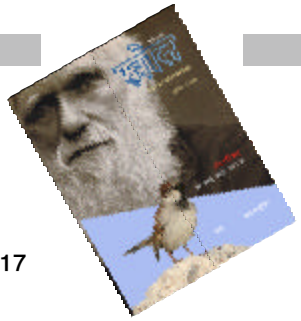

स्रोत

विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

अप्रैल 2009
वर्ष-3 अंक-3 (पूर्णांक 243)
www.eklavya.in

संपादक
सुशील जोशी

सहायक संपादक
अफसाना पठान
अम्बरीष सोनी

उत्पादन सहयोग
इंदु नायर जितेंद्र ठाकुर
राकेश खत्री कमलेश यादव

वार्षिक चंदा 150 रुपए
एक प्रति 15 रुपए
चंदे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें।

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना

बैक्टीरिया नहीं, उनके जीन्स मदद करते हैं!		2
तोंद का बढ़ना मोटापे का बेहतर सूचक है		2
चार आंखों वाली मछली		3
डारविन से क्या फर्क पड़ा?	केरन हैडॉक	4
मानव विकास की नई अटकल		7
स्वस्थ खाएं, पर्यावरण बचाएं	एस. अनंतनारायणन	8
कम खाएं, याददाश्त बढ़ाएं		9
दवा को सही जगह पहुंचाएंगे रेशे		10
क्या अब जन्म कुंडली की भूमिका निभाएगा जीनोम?	बीजू धर्मपालन	11
सब्ज़ियों में पौष्टिकता	नरेंद्र देवांगन	13
जारी है मलेरिया से निपटने की कोशिश	नरेंद्र देवांगन	15
बहरेपन का इलाज जल्दी करना बेहतर है		16
बूढ़े चूहों का ज़िगर जवान कैसे?		17
क्या गौरैया बच पाएगी?	आर. जे. रंजीत डेनियल्स	18
इंदौर के सिरपुर तालाब में पक्षी दर्शन	डॉ. किशोर पंवार	22
छोटे पर्दे की हिंसा और बच्चे	प्रवीण कुमार	24
यूक्लिड की एलीमेंट्स भारत कैसे आई?	रामकृष्ण भट्टाचार्य	26
रेशम पर चीन के एकाधिकार को चुनौती		30
इंसानों ने कला की रचना कब शुरू की थी?	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	31
विज्ञान और इंजीनियरिंग के बीच घटता अंतर	पी. बालाराम	33
बीमारी की गंध मात्र से प्रतिरोध क्षमता		36
ज़रूरी है सह्याद्री के पर्यावरण को बचाना	भारत डोगरा	36

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।